



श्री चित्रगुप्त आरती

(Shri Chitragupt Aarti lyrics: Om Jai Chitragupta hare)



॥ श्री चित्रगुप्त आरती ॥

ॐ जय चित्रगुप्त हरे,
स्वामीजय चित्रगुप्त हरे ।
भक्तजनों के इच्छित,
फलको पूर्ण करे ॥

विघ्न विनाशक मंगलकर्ता,
सन्तनसुखदायी ।
भक्तों के प्रतिपालक,
त्रिभुवनयश छायी ॥
ॐ जय चित्रगुप्त हरे... ॥

रूप चतुर्भुज, श्यामल मूरत,
पीताम्बरराजै ।
मातु इरावती, दक्षिणा,
वामअंग साजै ॥
ॐ जय चित्रगुप्त हरे... ॥

कष्ट निवारक, दुष्ट संहारक,
प्रभुअंतर्यामी ।
सृष्टि सम्हारन, जन दुःख हारन,
प्रकटभये स्वामी ॥
ॐ जय चित्रगुप्त हरे... ॥

कलम, दवात, शंख, पत्रिका,
करमें अति सोहै ।

वैजयन्ती वनमाला,
त्रिभुवनमन मोहै ॥
ॐ जय चित्रगुप्त हरे... ॥

विश्व न्याय का कार्य सम्भाला,
ब्रम्हाहर्षयि ।
कोटि कोटि देवता तुम्हारे,
चरणनमें धाये ॥
ॐ जय चित्रगुप्त हरे... ॥

नृप सुदास अरू भीष्म पितामह,
यादतुम्हें कीन्हा ।
वेग, विलम्ब न कीन्हौं,
इच्छितफल दीन्हा ॥
ॐ जय चित्रगुप्त हरे... ॥

दारा, सुत, भगिनी,
सबअपने स्वास्थ के कर्ता ।
जाऊँ कहाँ शरण में किसकी,
तुमतज मैं भर्ता ॥
ॐ जय चित्रगुप्त हरे... ॥

बन्धु, पिता तुम स्वामी,
शरणगहूँ किसकी ।
तुम बिन और न दूजा,
आसकरूँ जिसकी ॥
ॐ जय चित्रगुप्त हरे... ॥

जो जन चित्रगुप्त जी की आरती,
प्रेम सहित गावें ।
चौरासी से निश्चित छूटें,
इच्छित फल पावें ॥
ॐ जय चित्रगुप्त हरे... ॥

न्यायाधीश बैकुंठ निवासी,
पापपुण्य लिखते ।
'नानक' शरण तिहारे,
आसन दूजी करते ॥

ॐ जय चित्रगुप्त हरे,
स्वामीजय चित्रगुप्त हरे ।
भक्तजनों के इच्छित,
फलको पूर्ण करे ॥

<<•• * ••>>

II Shri Chitragupt Aarti II

Om Jai Chitragupt Hare,
Swami Jai Chitragupt Hare ॥
Bhaktajano Ke Ichchhit,
Phalko Poorn Kare ॥

Vighna Vinaashak Mangalkarta,
Santan Sukhadaayi ॥
Bhakton Ke Pratipalak,
Tribhuvan Yash Chaayi ॥
Om Jai Chitragupt Hare...

Roop Chaturbhuji, Shyamal Moorti,
Peetambar Raajai ॥
Maatu Iraavati, Dakshina,
Vaamang Sajaai ॥
Om Jai Chitragupt Hare...

Kasht Nivaarak, Dusht Sanhaarak,
Prabhuantaryaami ॥
Srishti Samhaaran, Jan Dukh Haaran,
Prakat Bhave Swami ॥
Om Jai Chitragupt Hare...

Kalam, Davaat, Shankh, Patrika,
Karmen Ati Sohail ॥
Vaijayanti Vanmala,
Tribhuvan Man Mohail ॥
Om Jai Chitragupt Hare...

Vishwa Nyaay Ka Kaary Sambhaala,
Bramhaarshaye ॥
Koti Koti Devata Tumhaare,
Charanmein Dhaaye ॥
Om Jai Chitragupt Hare...

Nrip Sudaas Aru Bheeshm Pitaamaha,
Yaad Tumhein Keenha ॥
Veg, Vilamb Na Keenhaun,
Ichchhitphal Deenha ॥
Om Jai Chitragupt Hare...

Daara, Sut, Bhagini,
Sabapne Swaasth Ke Kartaa ॥
Jaaon Kahaan Sharan Mein Kiski,
Tumtaj Main Bhartaa ॥
Om Jai Chitragupt Hare...

Bandhu, Pita Tum Swami,
Sharan Gahoon Kiski ॥
Tum Bin Aur Na Duja,
Aaskaroon Jiski ॥
Om Jai Chitragupt Hare...

Jo Jan Chitragupt Ji Ki Aarti,
Prem Sahit Gaavain ॥
Chaurasi Se Nischit Chhutain,
Ichchhit Phal Paavain ॥
Om Jai Chitragupt Hare...

Nyaayaadheesh Baikunth Nivaasi,
Paappuny Likhte ॥
'Nanak' Sharan Tihare,
Aasan Dooji Karte ॥

Om Jai Chitragupt Hare,
Swami Jai Chitragupt Hare ॥
Bhaktajano Ke Ichchhit,
Phalko Poorn Kare ॥



Free download PDF of all types of mantra, stotram, vandana, arati:
chalisapdf.net